

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

ओम सर्किट : प्रदेश में पर्यटन की संभावनाओं का द्वार

सकता है. पर्यटकों के लिए सिर्फ मंदिरों तक पहुंचना पर्याप्त नहीं है. आज के दौर में अनुभवपरक पर्यटन का चलन बढ़ रहा है. इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने वर्चुअल रियलिटी आधारित टूर, टूरिस्ट इन्फॉर्मेशन सेंटर, कैफेटेरिया, और स्वच्छ व स्वागतशील टॉयलेट्स की व्यवस्था की योजना बनाई है. इससे यात्रा अनुभव डिजिटल रूप से भी सशक्त होगा और देशी-विदेशी दोनों पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा.

ऑकरेश्वर में जल पर्यटन, जिसमें मिनी क्रूज, पैरासेलिंग और बोटिंग जैसी गतिविधियां शामिल होंगी, युवाओं और परिवारों के लिए अलग अनुभव पेश करेंगी. यह पहल मध्य प्रदेश को सिर्फ धार्मिक ही नहीं, साहसिक पर्यटन के नक्शे पर भी लाएगी.

मध्य प्रदेश सरकार की होमस्टे योजना इस सर्किट की एक ऐसी धुरी है, जिससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार की नई लहर उठ सकती

है. जब कोई पर्यटक किसी गांव में ठहरता है, वहां का खाना खाता है, हस्तशिल्प खरीदता है और लोककला का अनुभव करता है — तब पर्यटन एक उद्योग से ज्यादा, एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान बन जाता है. खासकर नर्मदा किनारे बसे जनजातीय गांवों में यह योजना सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन ला सकती है. यह योजना अगर सही तरीके से लागू होती है, तो यह सिर्फ तीर्थानंद नहीं, ग्रामीण पुनरुत्थान की कहानी बन सकती है.

उज्जैन, इंदौर और ऑकरेश्वर के अलावा मध्य प्रदेश में अनेक ऐसे स्थल हैं जो आज भी पर्यटन विभाग की प्राथमिक सूची से बाहर हैं. भीमबेटका की गुफाएं, पचमढ़ी का प्राकृतिक वैभव, नरसिंहगढ़ की झीलें, बुरहानपुर का मुगल इतिहास, अमरकंटक का आध्यात्मिक-प्राकृतिक संगम, चंद्रकांता का आदिवासी सौंदर्य — ऐसे अनेक स्थल हैं जिन्हें यदि ठीक ढंग से जोड़ा जाए, तो पर्यटन एक वांछित नई,

हर आयु और रुचि के लोगों के लिए खुल सकता है.

इन्हें जोड़ने के लिए 'डिस्कवरी टूरिज्म', सर्किट प्लानिंग, और स्थानीय सहयोग से विकास का रास्ता अपनाया होगा. मध्य प्रदेश में पहले से ही टाइगर रिजर्व, झीलों, लोककला, धार्मिक स्थल, और आदिवासी संस्कृति का अद्भुत समन्वय है. आवश्यकता इस बात की है कि सरकार पर्यटन को सिर्फ दिखावे की नीति न बनाकर, जमीनी क्रियान्वयन की ठोस योजना में बदले. इसके लिए स्थानीय प्रशासन, पर्यटन व्यवसायी, ग्रामीण समुदाय और डिजिटल प्लेटफॉर्मों को साथ लेकर चलना जरूरी होगा. कुल मिलाकर ओम सर्किट एक अद्भुत शुरुआत है. यदि इसके साथ होमस्टे, इको-टूरिज्म, और गांव-शहर के बीच पर्यटन-संवाद को जोड़ा जाए, तो मध्य प्रदेश भारत का सर्वश्रेष्ठ बहु-आयामी पर्यटन राज्य बन सकता है.

यह समय है जब श्रद्धा, संस्कृति और समृद्धि — इन तीनों को एक सूत्र में बांधकर पर्यटन को आर्थिक और रोजगार समृद्धि का अवसर बनाएं.

विद्यु की डायरी



वर्तमान-पूर्व विधायक के साथ बंद कमरे में डिप्टी सीएम की बैठक



डॉ. रवि तिवारी

सिरमौर जनपद पंचायत में अध्यक्ष को लेकर भाजपा समर्थित सदस्य बगवत में है. कई दिनों से सियासी विवाद अब अविश्वास प्रस्ताव तक पहुंच गया है. अध्यक्ष रवीना साकेत के खिलाफ 19 सदस्यों ने कलेक्टर के समक्ष अविश्वास प्रस्ताव पेश किया. जिससे तख्ता पलट की स्थिति बन गई है. अब सवाल यह उठता है कि विपक्ष में बैठी कांग्रेस क्या इतनी ताकतवर हो गई कि सत्ता पक्ष का तख्ता पलट कर दे. सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह ने अध्यक्ष बनाने में अहम भूमिका निभाई थी और अब सवाल उठता है कि अध्यक्ष को बचाने में क्या विधायक सफल रहेंगे? आखिर यह बगवत सदस्यों ने किसके इशारे पर की है. पद के पीछे खेल कौन कर रहा है. पूर्व और वर्तमान विधायक को खेमेबाजी के चलते यह स्थिति निर्मित हुई है. मामला संगठन तक पहुंचा और पार्टी डेमेंज कंट्रोल में जुट गई है. रविचारा को भाजपा जिलाध्यक्ष बोरेंद्र गुप्ता ने दोनो पक्षों को बैठक ली और समझाइश दी उसके बाद प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला ने पार्टी कार्यालय में सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह एवं सेमरिया से पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी के साथ सभी जनपद सदस्यों को बंद कमरे में बैठक ली. माना जा रहा

है कि अविश्वास प्रस्ताव को रोकने के लिये यह अहम बैठक हुई है. सदस्यों ने बैठक में अपना पक्ष खुलकर रखा है. बैठक के बाद विवाद का पटाक्षेप हो गया है उधर कांग्रेस ने चुटकी लेते हुए कहा कि विधायक दिव्यराज सिंह और पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी के बीच यह आंतरिक द्वंद्व है. जिसका परिणाम अविश्वास प्रस्ताव है.

महिला की मौत पर राज्यमंत्री पर उठे सवाल- स्वतंत्र भारत के 78 साल बीत चुके हैं पर आज भी गांवों का भारत मूलभूत सुविधाओं से वंचित है. इससे शर्मनाक और क्या हो सकता है जब सड़क के अभाव में एक महिला अस्पताल पहुंचने के पहले ही जिंदगी की लड़ाई हार जाय. आजादी का अमृत महोत्सव तिरंगा यात्रा के साथ मनाया जा रहा है. नारी सशक्तिकरण की दुहाई दी जा रही है पर वही नारी सिस्टम का शिकार हो रही है. बीमार महिला को चारपाई में लिटा कर कच्चे रास्ते से अस्पताल लेकर जाने का प्रयास किया गया पर महिला ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया. समूचे सिस्टम को कटघरे में खड़ा करने वाली यह घटना सतना नागौद तहसील के द्वारा खुद की है. जहां एक महिला मरीज खात में दम तोड़ देती है. अगर रोड होती तो शायद जिंदगी अस्पताल पहुंचने पर बच जाती. अब सवाल यह उठता है कि इस मौत के लिये जिम्मेदार कौन है प्रशासन तंत्र या जनप्रतिनिधि? सबसे शर्मनाक पहलु लु है कि यह घटना जिस क्षेत्र में हुई है वह क्षेत्र राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के विधानसभा क्षेत्र में आता है. ऐसे में सवाल राज्य मंत्री से है, क्या इस मौत की कीमत पर गांव वालों को सड़क आप दिलावा पाएगी?

घर में घुसा पानी तो छलका विधायक का दर्द

बारिश से चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है, फिर चाहे अमीर हो या गरीब जनता हो या जनप्रतिनिधि हर कोई प्रभावित है. बीहर नदी के किनारे बने गुड़ विधायक नागेन्द्र सिंह के घर के अंदर पानी घुसा गया. फिर क्या था विधायक जी ने नाराजगी जाहिर करते हुए अपनी ही सरकार के कामकाज को कटघरे में खड़ा कर दिया. सवाल उठता है कि इनके कहा कि मैं जनप्रतिनिधि हूँ और खुद एक बाढ़ पीड़ित हूँ. मेरे घर में पानी भरा हुआ है, कोई देखने तक नहीं आया. बाढ़ के पीछे कई कारण का उल्लेख करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि शहर के चारों तरफ बाईपास बनाकर रीवा को उतारा बना दिया है. कई वर्षों से बाढ़ को देख रहा हूँ. बगैर नाम लिये उन्होंने नेता और सरकार पर सवाल उठाते हुए कटाक्ष किया है. कहीं न कहीं क्रीक्रीट का जो विकास हो रहा है उसके लेकर खुले तौर पर तो नहीं बल्कि इशारों ही इशारों में विधायक जी ने बहुत कुछ कह दिया. समझने वाले बखूबी समझ गए हैं कि उनका इशारा प्रदेश के किस कदवार नेता की तरफ था.

महिला नेतृत्व में नंबर एक पर कृष्णा गौर

राकेश शर्मा

मध्य प्रदेश में डॉ मोहन यादव की कैबिनेट में मंत्री के रूप में कई महिला नेता शामिल हैं पर जब इन महिला नेताओं के कार्यों का आकलन किया जाता है तो इस रैंकिंग में नंबर एक पर कृष्णा गौर आती हैं. लंबा राजनीतिक अनुभव, भोपाल की गोविंदपुरा सीट पर ऐतिहासिक वोटों से जीत एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि जिसमें मध्य प्रदेश के राजनीतिक के चाणक्य कहे जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री भाजपा के वरिष्ठ नेता बाबूलाल गौर की छत्रछाया में कृष्णा गौर ने राजनीति का कख घ सोखा और अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की. भारतीय राजनीति की शुरू की पाठशाला नगर निगम कहलाती है जहां एक सफल महापौर के रूप में पूरे देश में एक अलग पहचान कृष्णा गौर ने प्राप्त की. साथ ही महापौर के रूप में विकास की एक नई इबारत लिखी भोपाल शहर में.

मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष के रूप में मध्य प्रदेश को पर्यटन के नक्शे पर देश में अलग एक नई पहचान बनाने में अपना बड़ा योगदान दिया. मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री के रूप में लगातार अपने विभाग में नवाचार कर एक नई पहचान अपने मंत्रालय की कृष्णा गौर ने मध्य प्रदेश में बनाई. फेम इंडिया ने देश भर में एक बड़ा सर्वे किया था जिसमें सर्वोत्तम



एक बड़े राजनीतिक परिवार से जुड़े होने के बावजूद कृष्णा गौर एक सरल और सौम्य नेता हैं जो उनकी काबिलियत में चार चांद लगाता है. नई और युवा महिला नेताओं की वे आइकॉन हैं. जीनसे नई महिला नेता कार्यकर्ता प्रेरणा पाती है जिस तरह देश के प्रधानमंत्री हर स्थान पर महिलाओं को प्रमोट कर रहे हैं और महिलाओं के लिए 33B आरक्षण लागू किया है उसमें महिलाओं के लिए कार्य करने के लिए कई स्थानीय स्तर पर आप किसी भी व्यक्ति नेता के रूप में कृष्णा गौर ने मध्य प्रदेश सहित देश में अपनी एक अलग पहचान बनाई है लगातार पार्टी नेतृत्व कृष्णा गौर को दायित्व देकर परखाता रहता है जिसमें वह हमेशा खरा उतरती है.

50 विधायकों का चयन किया था, उस सर्वे में मध्य प्रदेश से कृष्णा गौर का नाम देशभर के प्रमुख 50 विधायकों में शामिल था. कार्यकर्ताओं के बीच कृष्णा भाभी और कृष्णा दीदी के रूप में लोकप्रिय महिला नेता के रूप में पूरे प्रदेश में जाने जानी वाली कृष्णा गौर से आप जब भी मिलेंगे या कोई भी कार्यकर्ता मिलता है वह सदैव

मुस्कुराकर मुलाकात करती हैं और उनके बताए हुए कामों को गंभीरता से सुनकर प्राथमिकता से करती हैं. उनके क्षेत्र गोविंदपुरा में आप जब भी जाएं वहां स्थानीय स्तर पर आप किसी भी व्यक्ति से बात करेंगे वह कृष्णा गौर की तारीफ करता हुआ मिलेगा. क्षेत्र में निरंतर दौरे करती हैं साथ ही कार्यकर्ताओं के घर में छोटे-छोटे से

थरुर की साफगोई से कांग्रेस परेशान

कांग्रेस अपने नेताओं को संभालने में विफल रही है जिसकी बड़ी वजह संवाद का अभाव है. सामूहिक नेतृत्व पर ध्यान दिया जाए और विभिन्न राज्यों में सक्रिय व प्रभाव रखनेवाले नेताओं से समय-समय पर मंत्रणा कर नीति निर्धारण किया जाए तो पार्टी में एकजुटता बनी रह सकती है. विगत वर्षों के दौरान कांग्रेस छोड़नेवालों में ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, कपिल सिब्बल, गुलाम नबी आजाद, हिमंत बिस्वा सरमा जैसे कितने ही नेता शामिल हैं. यदि यह आरोप लगाया जाए कि कांग्रेस में नेतृत्व पूरी तरह गांधी परिवार में केंद्रित है तो क्या बीजेपी में भी मोदी-शाह का दबदबा नहीं है? पिछले 11 वर्षों से केंद्र की सत्ता से बाहर रहने के बाद कांग्रेस किसी नेता को कुछ देने की स्थिति में नहीं है. ऐसे समय बीजेपी ने अपनी कुटनीति से कांग्रेस छोड़नेवाले नेताओं को पद और सम्मान देना शुरू किया. सिंधिया केंद्र में मंत्री बन गए तो हिमंत बिस्वा सरमा को असम का सीएम बनने का मौका मिला. महाराष्ट्र में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का नाम आदर्श घोटाले में पूजा था.



वह बीजेपी की शरण में चले गए और जांच एजेंसियों के ग्रहण से बचे. जहां तक शशि थरुर का मामला है, उनके अनुभव, ज्ञान और विद्वता की कांग्रेस ने कद्र नहीं की. वह यूपन में अंडर सेक्रेटरी रह चुके हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाया आतंकी हमले और आपरेशन सिंदूर के बारे में विदेश में भारत का पक्ष मजबूती से रखने के लिए विपक्ष के नेताओं को अवसर दिया. यह नई बात नहीं है क्योंकि पीवी नरसिंहराव ने भी पीएम रहते हुए यूपन में भारत का पक्ष रखने के लिए तत्कालीन विपक्ष के नेता अटलबिहारी वाजपेयी को भेजा था. थरुर के नेतृत्व में गए प्रतिनिधि मंडल ने अपनी गहरी छाप छोड़ी. इस दौरान उनकी बीजेपी से निकटता बढ़ना स्वाभाविक था. मल्लिकार्जुन खडगे के खिलाफ पार्टी अध्यक्ष का चुनाव लड़ने की वजह से कांग्रेस ने उन्हें पहले ही हाथियों पर डाल दिया था. अब शशि थरुर ने इमरजेंसी के अत्याचारों का मुद्दा उठाया है जिससे कांग्रेस का तिलमिलाना स्वाभाविक है. वामपंथी राज्य केरल में वह अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने में लगे हैं.

संपादकीय बोर्ड

प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11961 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5	6
		7	8		9
10	11	12			
13		14		15	16
17	18	19			
	20	21			
22		23		24	25
26					27

ऊपर से नीचे

1. सांप या किसी कोड़े का रेंगना
2. रेत
3. निगलना, हड़पना
4. सोने का स्थान या गृह
5. सोने का स्थान या गृह
6. लंबा का संक्षिप्त रूप जो योगिक शब्दों के आगे लगाया जाता है जैसे-लमतडंग
7. नाटक लिखने वाला
8. ध्वजा आदि हवा में लहराना
9. 16 लताओं से बना मंडल या घर
10. मुसलमानों के तीर्थ स्थान मक्का का पवित्र पानी
11. सूआ, शुकर (सं.)
12. एक प्रसिद्ध पौधा जिसकी पत्तियां लोग नशा करने के लिए पीस कर पीते हैं, विजया
13. पदार्थ का वह गुण जिसका ज्ञान केवल आंखों द्वारा ही होता है

Solution 11960

म	ध्र	व	धि	चु	ना	व
धु	न	क्का	रा	ह	त	
के	त	र	वू	ज	र	
ह	मी	ना	गी	ति	का	
	प्या	ज	स	त	री	
को	सा	ख	ल	ब	ली	
म	प	ट	क	ना	ब	
ल	ट	का	ना	ना	खु	दा

बाएं से दाएं

1. धोखा देने के लिए दिखाई जाने वाली झूठी उम्मीदें (उर्दू)
2. प्रवीण
3. किसी को डरा, धमका या मार कर उसका धन ले लेना, ठगना
4. मृत्यु के देवता, कौआ
5. पंक्ति (उर्दू)
6. काट खाने वाला
7. मार्ग, रास्ता
8. नासिका
9. भीरुपल
10. रूढ़, अप्रसन्न
11. कपोल
12. प्रसिद्ध (उर्दू)
13. किंचित, तनिक
14. घाव के ऊपर सूखी पपड़ी
15. सांप्रतिकता के संदर्भ में बलराज साहनी द्वारा अभिनीत एक पुस्तक फिलिम
16. झूठी बात, झूठी खबर

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यर्थ के वाद विवाद से मन खिन्न रहेगा, भोग विलास में धन व्यय होगा, यात्रा में कष्ट होगा, स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा, वर्ष के मध्य में विदेशी व्यापारियों के लिये समय लाभप्रद रहेगा, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, वर्ष के अन्त में मित्रों के सहयोग से योजनाओं का समाधान होगा, राजनैतिक रूपरेखा बनेगी.

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों के लिये सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि

मेघ - पारिवारिक आयोजन लाभकारी हो सकता है. आकस्मिक लाभ की सूचना मिलेगी. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. कोर्ट कचहरी के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी.

वृश्चिक - अपने कार्य को वरीयता से निपटाने का प्रयास करें, अन्यथा परेशानियां सामने आसंगी. वरिष्ठ लोगों के संपर्क से लाभ होगा. भाव्यवर्धक समाचार मिलेगा.

मिथुन - वैभव के सामान पर बड़े खर्च की संभावना है. स्वजनों के सहयोग से आर्थिक कार्य पूर्ण होगा. मनोरंजन उत्साह बढ़ेगा. मेहनत अधिक करना पड़ेगी.

कर्क - नए कार्य की शुरुआत और कलात्मक मामलों में सफलता संभव है. साहसिक प्रयास हो सकता है.

होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों की मित्रों के सहयोग से नवीन योजनाओं की रूपरेखा बनेगी, कर्क राशि के व्यक्तियों को यात्रा में कष्ट होगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को यश मिलेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को मेहनत अधिक करना होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को संयम से काम लेना हितकर रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को साहस पराक्रम बढ़ेगा.

सिंह - धार्मिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी. नये संपर्कों का लाभ मिलेगा. महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी. श्रेष्ठजनों से कामकाज बने का योग है.

कन्या - प्रतियोगी परीक्षा में सफलता आसं है, विवादास्पद मामले सुलझ सकते हैं. स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. कार्यों में आकस्मिक गति आयेगी. मन में प्रसन्नता रहेगी.

तुला - दूसरों के मामलों में देखल से बचें. अटक कार्य पूरा करने में मित्रों का सहयोग मिलेगा. सतान आदि की चिन्ता दूर होगी सुखदकार्यों में लाभ प्राप्त होगा.

वृश्चिक - भाव्यवर्धक अवसर मिलेंगे. परिश्रम अधिक करना होगा. कुल मानसिक चिन्ता रहेगी. आप जिन पर भरोसा है, वे आपका विरोध करेंगे.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वाभाव से अच्छा सुन्दर, हृष्टपुष्ट तथा सुशील तथा मिलनसार होगा. मन भावुक तथा कोमल होगा. कम बोलेगा, तथा जो भी बात बोलेगा, वह बुद्धिमानी से परिपूर्ण होगी. पिता का भक्त होगा.

धनु - खानपान रहन सहन में अनियमितता रहेगी. उदर विकार आदि से कष्ट होगा. समय के स्वरूप को देखकर कार्य करें. दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी.

मकर - आपके सरल स्वाभाव का लोग फयदा उठावेंगे. व्यापार व्यवसाय में सफलता मिलेगी. जीवनसाथी का सहयोग रहेगा. मानसिक प्रसन्नता रहेगी.

कुम्भ - आपका कठोर व्यवहार घर में कलह का कारण बन सकता है. नई योजना लाभकारी रहेगी. आकस्मिक अर्थीय आगमन होगा. पार्टनरशिप में सतर्कता बांछनीय.

मीन - अधूरी योजना फिर से शुरू कर सकते हैं. बुजुर्गों के मार्गदर्शन से लाभ मिलेगा. मातृपक्ष से शुभ समाचार मिलेगा. कार्यों में सफलता मिलेगी. संयम से काम लें.

उदयकालीन ग्रह चाल

8	के.7 मू.	6	5
9	के.7 मू.	3	4
10	रा.	4	
11	रा.	1	3
12	मू.	2	

पंचांग

रा.मि. 23 संवत् 2082 श्रावण कृष्ण चतुर्थी चन्द्रवासरे रात 11/35, धनिष्ठा नक्षत्रे दिन 7/26, आयुष्मान योगे शाम 5/28, वव करणे सू.उ. 5/16 सू.अ. 6/44, चन्द्रचार कुम्भ, पर्व - संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत, श्रावण सोमवार व्रत, शु.रा. 11, 1, 2, 5, 6, 8 अ.रा. 12, 3, 4, 7, 9, 10 शुभांक- 4, 6, 0.

त्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण चतुर्थी को धनिष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड, रूई, शकर, कपास, जूट, पाट, बारदाना, सन, हैसियन, सोना, चांदी, के भाव में उठाल आयेगा. भाग्यांक 4110 है.

SUDOKU 7093

			1			6
				5		
2	3	9			8	
6						5
			8	3		
1						4
	7					
			2			
5			6			

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-पुस्तक 7092

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1